8.प्रेस, संस्कृति और राष्ट्रवाद

छापाखाना के विकास कई चरणों में हुए :-

- **प्रथम चरण:-** आरंभ से गुटेनबर्ग तक प्रिंटिंग प्रेस का विकास ।
- **द्वितीय चरण:-** गुटेनबर्ग द्वारा प्रिंटिंग प्रेस का विकास।
- **तृतीय चरण:-** गुटेनबर्ग के बाद का तकनीकी विकास ।

आरंभ से गुटेनबर्ग तक प्रिंटिंग प्रेस का विकास :-

- 105 AD में टसूप्लाइलून (चीनी नागरिक) ने कागज बनाया। मुद्रण की पहली तकनीक चीन, जापान और कोरिया में विकसित हुई।
- 10वीं सदी के पूर्वाद्ध तक ब्लॉक प्रिंटिंग द्वारा मुद्रा-पत्र छापे गए
- 1041 ई० में चीनी व्यक्ति पि-शेंग ने मिट्टी की मुद्रा बनाई
- शंघाई प्रिंट संस्कृति का केन्द्र बना, सिविल सेवा के आकांक्षी छात्रों को पुस्तक की छपाई से अध्ययन में मदद मिली।
- अध्येता के रूप में विद्वान, व्यापारी एवं सम्पन्न वर्ग सामने आया।

ब्लॉक प्रिंटिंग:- स्याही से लगे काठ के ब्लॉक पर कागज को रखकर छपाई करने की विधि को ब्लॉक प्रिंटिंग कहते हैं।

गुटेनबर्ग द्वारा प्रिंटिंग प्रेस का विकास :-

- रेशम मार्ग से ब्लॉक प्रिंटिंग के नमूने ईसाई मिशनरी एवं मार्कोपोलो द्वारा रोम पहुंचा। (यूरोप)
- रोमन लिपि में अक्षरों की संख्या चीनी लिपि से कम होने के कारण छपाई संस्कृति का तेजी से विकास ।
- कागज बनाने की कला 11वीं सदी में यूरोप पहुंची तथा 1336 में प्रथम पेपर मिल की स्थापना जर्मनी में हुई।
- बिखरी हुई मुद्रण कला को जर्मनी के स्ट्रेसवर्ग शहर के गुटेनवर्ग ने एकत्रित कर पंच, मेट्रिक्स मोल्ड को योजनाबद्ध तरीके से बनाया।

- सीसा रांगा और स्याही का उपयोग शुरू।
- कम्पोज टाईप मैटर का मुद्रण शोध 1440 में शुरू।
- 42 लाइन एवं 36 लाइन (1448) के बाइबिल की छपाई गुटेनबर्ग के द्वारा।
- 421 लाइन वाले बाइबल का मुद्रण गुटेनबर्ग द्वारा शुरु किया गया लेकिन फर्स्ट शुओफर द्वारा इसे पूर्ण किया गया।
- सुओफर ने इण्डलजेंस की छपाई की।
- बेसल्स, रोम, वेनिस, एण्टवर्ष एवं पेरिस मुद्रण के प्रमुख केन्द्र पुनर्जागरण के भी केन्द्र बने।
- 1475 में सर विलियम्स कैकस्टन शूटर मुद्रण कला को इंग्लैंड में ले तथा वेस्ट मिनस्टर कस्बे में उनका प्रथम प्रेस स्थापित हुआ।
- 1544 में मुद्रण कला की शुरुआत पुर्तगाल में हुआ।

गुटेनबर्ग के बाद का तकनीकी विकास :-

- 1475 में इंग्लैंड में मुद्रण कला की शुरुआत।
- पुर्तगाल में 1544 ई० में तथा पुर्तगालियों द्वारा ही 16वीं सदी में भारत में मुद्रण की शुरूआत।
- अब प्रेस धातु के बनने लगे (18वीं सदी से)
- एम०हो० ने शक्तिचालित वेलनाकार प्रेस बनाया। 18वीं सदी के अन्त तक ऑफसेट प्रेस द्वारा 6 रंगों में छपाई ।
- 20वीं सदी में पेपर रील और फोटो विद्युतीय नियत्रण कार्य शुरू

मार्टिन लूथरः

- मार्टिन लूथर ने रोमन कैथोलिक चर्च की कुरीतियों का रचना करते हुए अपनी 95 स्थापनाएं लिखी।
- मार्टिन लूथर ने कहा "मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है सबसे बड़ा तोहफा।"
- कैथोलिक चर्च के द्वारा इनकीजीशन शुरू किया गया है।

भारत में दो प्रकार के प्रेस थे:-

(i) एंग्लो इंडियन प्रेस

(ii) भारतीय प्रेस

अंग्रेज द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र की विशेषता :-

1. फूट डालो एवं शासन करो की नीति का प्रचार प्रसार

2. सरकारी खबरें एवं विज्ञापन छापना

3. भाषा अंग्रेजी एवं संपादन कार्य कंपनी के अधिकारियों द्वारा

अंग्रेज द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र :- बंगाल गजट एवं इंडिया गजट: जे०के० हिकी (1780) कलकत्ता कैरियर, एशियाई मिरर, ओरियंटल स्टार, बंबई गजट, हेराल्ड, मद्रास गजट-इनका क्षेत्र कंपनी के अधिकारियों व्यापारियों तक सीमित था।

भारतीयों द्वारा समाचार पत्र की विशेषता :-

- राष्ट्रवादी विचार का प्रचार प्रसार
- अंग्रेजी शासन की आलोचना

भारत में प्रेस का विकास

- पांडुलिपियाँ ताड़ के पत्तों या हाथ से बने कागज पर नकल कर बनाई जाती थीं। हाथों से लिखी पुस्तकों को पांडुलिपियाँ कहते हैं।
- कैथोलिक पुजारियों ने 1579 ई. में कोचीन में पहली तमिल किताब छापी और 1713 ई. में उन्होंने ही पहली मलयालम पुस्तक छापी।
- जेम्स ऑगस्टस हिकी ने 1780 से 'बगाल गजट' नामक एक साप्ताहिक पत्रिका का सम्पादन/प्रकाशन आरम्भकिया। बंगाल गजट ही भारतीयों द्वारा प्रकाशित प्रथम अखबार बा, जिसे गंगाधर भट्टाचार्य ने प्रकाशित करना शुरू किया था।
- प्रिटिंग प्रेस सबसे पहले भारत में पुर्तगालियों द्वारा 16वीं सदी में लाया गया।
- आधुनिक भारतीय प्रेस का प्रारंभ 1766 में विलियम बोल्टस द्वारा एक समाचार पत्र के प्रकाशन से हुआ।
- भारतीयों द्वारा प्रकाशित प्रथम समाचार पत्र 1816 में गंगाधार भट्टाचार्य का साप्ताहिक बंगाल गजट था।

- फारसी भाषा के साप्ताहिक समाचार पत्र मिरात-उल-अखबार के संस्थापक राजा राममोहन राय थे।
- 1899 में अंग्रेजी मासिक पत्रिका ने हिन्दुस्तान रिव्यू की स्थापना और संपादन सच्चिदानंद सिन्हा ने की। इसका प्रकाशन इलाहाबाद स्थित इंडियन प्रेस ने किया था।

राजा राममोहन द्वारा प्रकाशित समाचार पत्र निम्न हैं-

1. 1821 में बंगला भाषा में 'संवाद कौमदी

2. 1822 में फारसी भाषा में 'मिरातुल अखबार'

- मद्रास में 1878 में साप्ताहिक रूप से प्रकाशित होने वाला हिन्दू, 1881 में दैनिक रूप में परिवर्तित हो गया। इस पत्र का दृष्टिकोण उदारवादी था।
- डॉ. एनी बेसेन्ट ने भी मद्रास स्टैंडर्ड को अपने संचालन में लेकर न्यू इंडियन का नामक होमरूल का नारा जन-जन तक पहुँचाया।
- गाँधीजी ने यंग इंडिया और हरिजन पत्र का प्रकाशन किया।
- मोतीलाल नेहरू ने 1919 में 'इंडिपेंडेन्स' का और शिव प्रसाद ने हिन्दी दैनिक 'आज' का प्रकाशन किया।
- के. एम. पत्रिकर ने 1922 में हिन्दुस्तान टाइम्स का संपादन प्रारंभ किया।
- बाद में हिन्दुस्तान टाइम्स का सम्पादन कार्य मदनमोहन मालवीय के हाथ में आया।
- एम.ए. राय ने अग्रेजी माध्यहिक इंडिपेंडेन्ट 1930 प्रकाशित किया।
- एस. सदानंद के संपादन में ही फ्री प्रेस जवान का प्रकाशन शुरू किया गया।
- मौलाना आजाद के संपादन में 1912 में 'अल हिलाल' तथा 1913 में 'आम बिलाल कलकता से निकलना प्रारंभ हुआ।
- मोहम्मद अली ने अंग्रेजी में 'कामरेड' तथा उर्दू में 'हमदर्द' का प्रकारान किया।
- 1910 में गणेश शंकर विद्यार्थी के संपादन में 'प्रताप' का प्रकाशन कानपुर से प्रारंभ हुआ।
- 1913 में 'गदर' का प्रकाशन हरदयाल के द्वारा मैन फ्रांसिस्को से किया गया।
- अंग्रेजों ने पौष्यकालीन राजधानी शिमला को बनाया था।
- बाल गंगाधर तिलक द्वारा 1881 में बंबई में अंग्रेजी भाषा में 'मराठा' और मराठी भाषा में 'केसरी' की शुरुआत की। (2022)

- 1862 में एम.जी. रानाडे ने 'इन्दु प्रकाश' तथा फिरोज शाह मेहता ने 1913 में 'बाम्बे क्रॉनिकल' का प्रकाशन आरंभ किया।
- बंगाल में उग्रवाद फैलाने का काम आबिद घोष और वरिंद्र घोष ने जुगांतर तथा वदेमातरम् के माध्यम से किया।
- गाँधीजी ने यंग इंडिया और हरिजन पत्र का प्रकाशन किया। (2019, 2022)
- हिन्द स्वराज पुस्तक के लेखक महात्मा गाँधी थे। (2018)
- 'एम.एन. राय ने अंग्रेजी साप्ताहिक इंडिपेंडेन्ट 1930 में *एम.एन. राय प्रकाशित किया।

भारतीय प्रेस की राष्ट्रीय आन्दोलन में भूमिका :-

- साम्राज्यवादी शोषण का विरोध करना ।
- राष्ट्रीय चेतना का प्रचार-प्रसार करना।
- सामाजिक-धार्मिक आन्दोलन को बढ़ावा देना ।
- लोकमत का प्रतिनिधित्व करना।
- नई शिक्षा नीति के प्रति असंतोष को उजागर करना।
- विदेश नीति के प्रति आलोचनात्मक एवं समीक्षात्मक दृष्टिकोण।
- धार्मिक सद्भाव एवं समन्वय स्थापित करना।

प्रेस के विरुद्ध प्रतिबंध :-

- 1799 का समाचार पत्रों का पत्रेक्षण (सेंसर) अधिनियम लार्ड वेलेजली।
- 1823 के अनुज्ञप्ति नियम जॉन एडमस।
- भारतीय समाचार पत्रों की स्वतंत्रता अधिनियम 1835 विलियम बैंटिक ।
- 1857 का अनुज्ञप्ति अधिनियम।
- देशी समाचार-पत्र अधिनियम (वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट) 1878 लार्ड लिटन।
- 1908 का भारतीय समाचार पत्र अधिनियम ।
- 1910 का भारतीय समाचार पत्र अधिनियम ।
- 1931 का भारतीय समाचार पत्र अधिनियम (संकटकालीन शक्तियों)।
- समाचार पत्र जाँच समिति- 1947 ।
- 1951 का समाचार पत्र आपत्तिजनक विषय अधिनियम ।

स्वतंत्र भारत में प्रेस की भूमिका :-

- साहित्य एवं समाज में चेतना जागृत करना।
- भाषा शास्त्र के विकास में योगदान देना।
- समाज में नवचेतना, मानवतावाद, तर्कवाद का विकास करना।
- सामाजिक बुराईयों एवं अंधविश्वासों का विरोध करना।
- स्वस्थ मनोविनोद का प्रयास करना।
- दिन प्रतिदिन की उपलब्धियों एवं सूचनाओं का प्रसारण करना।
- चौथे स्तंभ के रूप में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का दायित्व निभाना ।

1. गुटेन्बर्ग ने छापाखाना (मुद्रण यंत्र) का आविष्कार कैसे किया ?

उत्तर - गुटेन्बर्ग ने जैतून पेरने की मशीन को आधार बनाकर प्रिंटिंग प्रेस का ईजाद किया। इस मशीन में पेंच की सहायता से लंबा हैंडल लगा होता था। पेंच को घुमाकर प्लाटेन को गीले कागज पर दबाया जाता था। साँचे का उपयोग कर अक्षरों की धातु की आकृतियों को ढाला गया। इन टाइपों को घुमाने या 'मूव' करने की व्यवस्था भी की गई। इसलिए, इस प्रेस को मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन कहा गया। मुद्रण स्याही भी बनाई गई।

2. मार्टिन लूथर कौन था ? अपने धार्मिक विचारों का प्रचार करने के लिए उसने मुद्रित सामग्री का व्यवहार कैसे किया ?

उत्तर - मार्टिन लूथर जर्मनी का एक धर्मसुधारक था। उसका जन्म 1485 में जर्मनी में हुआ था। उसने धर्मविज्ञान में डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। वह रोमन कैथोलिक चर्च में व्याप्त कुरीतियों का विरोधी था। अपने विचारों के प्रचार के लिए उसने मुद्रण का सहारा लिया। 1517 में उसने 'पंचानबे स्थापनाएँ' लिखकर इसकी एक प्रति विटेनबर्ग चर्च के दरवाजे पर टाँग दी। इसकी प्रतियाँ छापकर चर्च को वाद-विवाद करने की चुनौती दी गई। आगे चलकर लूथर के समर्थक 'प्रोटेस्टेंट' कहलाए।

3. इन्दवीजीशन से आप क्या समझते हैं? इसकी क्या आवश्यकता थी?

उत्तर - यूरोप में पुस्तकों के प्रकाशन से नई राजनीतिक एवं धार्मिक मान्यता का विकास हुआ। धर्म-विरोधी विचारों के प्रसार को रोकने के लिए रोमन चर्च ने इन्क्वीजीशन का गठन किया। यह एक

प्रकार का धार्मिक न्यायालय था । इसका कार्य धर्म-विरोधियों की पहचान कर उन्हें दंडित करना था । इटली के मेनोकियो ने जब बाइबिल और उसके उपदेशों की नई व्याख्या की, तो उसे मृत्युदंड दे दिया गया।

4. रोमन चर्च प्रतिबंधित पुस्तकों की सूची क्यों रखने लगा ?

उत्तर - रूढ़िवादी और कट्टर चर्च को भय सता रहा था कि पुस्तकें नई धार्मिक विचारधारा का प्रसार कर चर्च की सत्ता को चुनौती दे रही हैं। इसे रोकने के लिए चर्च ने प्रकाशकों और पुस्तकविक्रेताओं पर प्रतिबंध लगाया। इसका उद्देश्य धार्मिक स्वरूप को चुनौती देनेवाली सामग्री का प्रकाशन रोकना था। 1558 से चर्च प्रतिबंधित पुस्तकों की सूची रखने लगा जिससे उनका पुनर्मुद्रण और वितरण नहीं हो सके।

5. मुद्रण संस्कृति ने फ्रांसीसी क्रांति के लिए किस प्रकार अनुकूल परिस्थितियाँ बनाईं ?

उत्तर - मुद्रित सामग्री ने निम्नांकित तीन प्रकार से क्रांति लाने में सहयोग दिया।

(i) इसने ज्ञानोदय के विचारों का प्रसार किया। इन्हें पढ़कर लोगों में नई चेतना जगी। मॉन्टेस्क्यू, वाल्तेयर और रूसो के विचारों का गहरा प्रभाव पड़ा।

(ii) मुद्रण ने वाद-विवाद की संस्कृति का भी विकास किया। लोग अब परंपराओं और अंधविश्वासों को तर्क की कसौटी पर कसने लगे।

(iii) बुद्धिजीवियों ने निरंकुशवाद, दरबार की विलासिता एवं उसके नैतिक पतन को उजागर किया। इसने राजशाही के विरुद्ध असंतोष को बढ़ावा देकर क्रांति की भावना को बलवती बनाया।

6. 1799 के समाचारपत्रों के पत्रेक्षण अधिनियम के विषय में आप क्या जानते हैं?

उत्तर - इस अधिनियम को गवर्नर-जनरल वेलेस्ली ने भारत में फ्रांसीसी क्रांति के प्रभावों को फैलने से रोकने के लिए पारित किया। इसके द्वारा समाचारपत्रों पर सेंसरशिप लगा दिया गया। प्रत्येक समाचारपत्र के लिए यह आवश्यक बना दिया गया कि वह समाचारपत्र में संपादक, मुद्रक एवं प्रेस के मालिक का नाम प्रमुखता से प्रकाशित करे। प्रकाशन के पूर्व सभी समाचारों को सरकार के सचिव से अनुमति लेना आवश्यक बना दिया गया। 1807 में यह व्यवस्था समाचारपत्रों के अतिरिक्त पत्रिकाओं, छोटे प्रकाशनों एवं पुस्तकों पर भी लागू की गई।

7. 1867 के पंजीकरण अधिनियम पर एक टिप्पणी लिखें।

उत्तर - इस अधिनियम द्वारा भारतीय प्रेस को नियंत्रित करने के नियम बनाए गए। इस अधिनियम के अनुसार प्रत्येक पुस्तक, समाचारपत्र एवं पत्र-पत्रिकाओं पर प्रकाशक, मुद्रक तथा मुद्रण के स्थान का नाम देना आवश्यक बना दिया गया। इसके साथ-साथ प्रकाशक को प्रकाशित पुस्तक की एक प्रति सरकार के पास जमा करना भी अनिवार्य था। राजद्रोहात्मक समाचार प्रकाशित करनेवाले संपादकों एवं लेखकों को दंडित भी किया जा सकता था। इससे प्रेस पर सरकारी नियंत्रण बढ़ गया।

8. स्वतंत्र भारत में प्रेस की भूमिका पर प्रकाश डालें।

उत्तर - स्वतंत्र भारत में प्रेस की प्रभावशाली भूमिका रही है। यह राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विकास में प्रभावशाली भूमिका निभा रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक, क्षेत्रीय घटनाओं, सरकारी नीतियों, खेल-कूद तथा मनोरंजन की सूचना देनेवाला प्रमुख माध्यम है। यह सरकार पर प्रभावशाली नियंत्रण रखता है तथा लोकतंत्र के 'चौथे स्तंभ' के रूप में कार्य करता है।

9. स्वतंत्र भारत में प्रेस के प्रति सरकारी नीति की समीक्षा करें।

उत्तर - स्वतंत्र भारत में सरकार ने औपनिवेशिक नीति से भिन्न नीति अपनाई । यद्यपि समाचारपत्रों को अधिक स्वतंत्रता दी गई तथापि उनपर कुछ अंकुश भी लगाए गए। 1951 में समाचारपत्र (आपत्तिजनक विषय) अधिनियम पारित किया गया। इसके द्वारा आपत्तिजनक समाचार प्रकाशित करनेवाले प्रेस को सरकार जब्त कर सकती थी। इसका विरोध होने पर सरकार ने एक प्रेस कमीशन नियुक्त किया जिसकी अनुशंसा पर अखिल भारतीय समाचारपत्र परिषद् का गठन किया गया। कमीशन के अन्य सुझाव भी स्वीकार कर लिए गए। आपातकाल में प्रेस की स्वतंत्रता पर पुनः आघात हुआ, परंतु सामान्यतः भारतीय प्रेस स्वतंत्र हैं।

प्रेस, संस्कृति और राष्ट्रवाद

1. मुद्रण यंत्र की विकास यात्रा को रेखांकित करें। यह आधुनिक स्वरूप में कैसे पहुँचा ?

उत्तर - मुद्रण का आरंभ चीन से हुआ। 105 में टस्-प्लाई-लून ने कागज का आविष्कार कर उसपर छपाई आरंभ की। आरंभ में मुद्रण हाथ से किया गया, परंतु 6ठी शताब्दी में काठ की तख्ती या वुड ब्लॉक पर छपाई की जाने लगी। 8वीं शताब्दी तक चीन में वुड ब्लॉक छपाई का प्रचार बढ़ गया। 1041 में पि-शेंग ने मिट्टी से अक्षरों की छाप बनाई। इन्हें एक साथ जोड़कर पंक्ति बनाई जा सकती थी। ब्लॉक प्रिंटिंग का चलन हो गया। 1295 में मार्कोपोलो चीन से वापस लौटते समय अपने साथ वुड ब्लॉक छपाई की तकनीक इटली लाया । इटली में वुड ब्लॉक छपाई की तकनीक आरंभ हुई। इटली से इसका प्रसार यूरोप के अन्य भागों में भी हुआ। 1336 में कागज बनाने का पहला कारखाना जर्मनी में खुला। इससे मुद्रण का विकास हुआ। मुद्रण वास्तविक क्रांति 1448 में तब आई जब योहान गुटेन्बर्ग ने जर्मनी में छापाखाना या में प्रेस का आविष्कार किया। इस मशीन को 'मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन' कहा गया। उसने रोमन वर्णमाला के 26 अक्षरों के टाइप और स्याही भी बनाई। इनसे मुद्रण का तेजी से विकास हुआ। जर्मनी के अतिरिक्त यूरोप के अन्य भागों में भी छापाखाना खुलने लगा। इससे यूरोप में जैसे-जैसे छपाई का विस्तार हुआ वैसे-वैसे छापाखाना में भी निरंतर सुधार किए गए। 18वीं सदी के अंतिम चरण तक धातु के बने प्रेस काम करने लगे। 19वीं - 20वीं सदी में छापाखाना में और अधिक तकनीकी सुधार किए गए। 19वीं शताब्दी में एम॰ ए॰ हो ने बेलनाकार प्रेस का आविष्कार किया। 20वीं सदी के आरंभ से ऑफसेट प्रेस बनाए गए। आगे चलकर कागज लगाने की विधि में सुधार किया गया तथा प्लेट की गुणवत्ता बढ़ाई गई। साथ ही, स्वचालित पेपर-रील और रंगों के लिए फोटो-विद्युतीय नियंत्रण का व्यवहार किया जाने लगा। इन तकनीकी बदलावों ने प्रेस और प्रिंटिंग को नया आयाम प्रदान किया।

2. यूरोप में मुद्रण का धर्म पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर - मुद्रण क्रांति ने यूरोपीय धर्म पर व्यापक प्रभाव डाला। प्रकाशित पुस्तकों को पढ़कर प्रचलित धार्मिक मान्यताओं पर प्रश्न उठाए जाने लगे, उनपर वाद-विवाद होने लगे। सबसे पहले इंगलैंड के जॉन विकलिफ ने रोमन चर्च में व्याप्त कुरीतियों और पोप के विरुद्ध आवाज उठाई। विकलिफ के कार्य को जर्मनी निवासी मार्टिन लूथर ने आगे बढ़ाया। 'पंचानबे स्थापनाएँ' लिखकर लूथर ने चर्च में व्याप्त कुरीतियों पर प्रहार किया। इसकी एक प्रति विटेनबर्ग चर्च के दरवाजे पर टाँगकर लूथर ने वाद-विवाद के लिए खुली चुनौती दी। लूथर के तर्कों का जनमानस पर व्यापक प्रभाव पड़ा, बड़ी संख्या में लोग उसके समर्थक बन गए। वे 'प्रोटेस्टेंट' कहलाए। इससे चर्च में विभाजन हो गया -

'प्रोटेस्टेंट' और 'कैथोलिक'। प्रोटेस्टेंट ईसाई धर्म का प्रमुख संप्रदाय बन गया। कैथोलिकों का प्रभाव कमजोर पड़ गया।

रोमन चर्च अभी भी अपना प्रभाव बनाए रखना चाहता था। पुस्तकों द्वारा प्रसारित नई मान्यताओं को चर्च दबाये रखना चाहता था। इसलिए रोमन चर्च ने 'इन्क्वीजीशन' नामक संस्था का गठन किया। इसका कार्य धर्म-विरोधियों की पहचानकर उन्हें दंडित करना था। नए धार्मिक विचारों के प्रचार-प्रसार को रोकने के लिए प्रकाशकों और पुस्तक विक्रेताओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया। अनेक पुस्तकों को प्रतिबंधित भी कर दिया। इतना ही नहीं, 1558 से चर्च प्रतिबंधित पुस्तकों की सूची भी रखने लगा जिससे उनका पुनर्मुद्रण नहीं हो सके। इस प्रकार, प्रकाशित पुस्तकों ने यूरोपीय धर्मसुधार आंदोलन को बढ़ावा दिया।

3. 19वीं सदी में भारत में प्रेस के विकास को रेखांकित करें।

उत्तर - यूरोप की तुलना में भारत में प्रेस का विकास देरी से हुआ। यूरोपियनों के प्रभाव से भारत में भी प्रेस खोले गए। पुर्तगाली धर्मप्रचारकों, जेसुइटों ने 16वीं सदी के मध्य में पहली बार प्रेस स्थापित किया। उनलोगों ने स्थानीय लोगों से कोंकणी भाषा सीखकर उसमें अनेक पुस्तके छापी। इसी प्रकार कैथोलिक पादरियों, डच धर्मप्रचारको ने तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषा में अनेक पुस्तकें प्रकाशित कीं। 18वीं - 19वीं शताब्दी में पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन अन्य भाषाओं में भी आरंभ हुआ। 1857 के विद्रोह के बाद इसमें और तेजी आई। अँगरेजी और देशी भाषा में अनेक पुस्तकें, पत्र - पत्रिकाएँ एवं समाचारपत्र प्रकाशित किए जाने लगे। आधुनिक भारतीय प्रेस का आरंभ 1768 से माना जाता है। इस वर्ष विलियम बोल्टस ने अपना समाचारपत्र प्रकाशित किया जो शीघ्र ही बंद हो गया। 1780 में जेम्स के हिक्की ने 'बंगाल गजट' प्रकाशित किया। 18वीं सदी के अंत तक 'इंडिया गजट', 'बंबई गजट', 'मद्रास गजट' जैसे समाचारपत्र भी प्रकाशित होने लगे। देशी भाषाओं में भी अनेक समाचारपत्र प्रकाशित हुए। देशी भाषा में प्रकाशित होनेवाला पहला समाचारपत्र था गंगाधर भट्टाचार्य का 'बंगाल गजट' जो 1816 में बँगला में प्रकाशित हुआ। 19वीं शताब्दी में पुस्तकों, पत्र - पत्रिकाओं और समाचारपत्रों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई। 1821 में राजा राममोहन राय ने बँगला में 'संवाद कौमुदी' का प्रकाशन किया। इस सदी के अन्य प्रकाशनों में उल्लेखनीय हैं— 'टाइम्स ऑफ इंडिया', 'स्टेट्समैन', 'पायनियर', 'इंगलिशमैन', 'सिविल एंड मिलिट्री गजट', 'मराठा', 'केसरी', 'हिंदू पैट्रियट', 'अमृत बाजार पत्रिका', 'हिंदू', 'आर्यावर्त' इत्यादि । 20वीं शताब्दी में क्रांतिकारी गतिविधियों और राष्ट्रवाद से उत्प्रेरित अनेक प्रकाशन हुए; जैसे-

'युगांतर', 'न्यू इंडिया' इत्यादि। इन समाचारपत्रों एवं पत्र-पत्रिकाओं ने औपनिवेशिक नीतियों की आलोचना की, सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों का समर्थन किया एवं भारतीय राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्त्वपूर्ण योगदान किया।

4. प्रेस के प्रति औपनिवेशिक सरकार की नीतियों की समीक्षा कीजिए। अथवा, औपनिवेशिक सरकार ने भारतीय प्रेस को प्रतिबंधित करने के लिए क्या किया ?

उत्तर - समाचारपत्र सरकार और उसकी नीतियों की आलोचना करते थे। अतः, इन्हें नियंत्रित करने के प्रयास आरंभ कर दिए गए। ऐसा दो कारणों से किया गया। (i) ईस्ट इंडिया कंपनी ऐसा कोई समाचार प्रकाशित नहीं होने देना चाहती थी जिससे कंपनी की अर्थव्यवस्था और भ्रष्टाचार का समाचार छपे जिससे इंगलैंड की सरकार उसके विरुद्ध कार्रवाई करे, उसके व्यापारिक एकाधिकार को समाप्त कर दे। (ii) अँगरेजी राज में राष्ट्रवादी विचारों के प्रसार पर नियंत्रण लगाना आवश्यक हो गया। अतः, समय-समय पर प्रेस पर नियंत्रण लगाने के लिए कानून बनाए गए।

वेलेस्ली के पूर्व तक प्रेस के लिए कोई निश्चित आचार संहिता नहीं थी, परंतु उसके समय से प्रेस को नियंत्रित करने का प्रयास आरंभ हुआ। (i) वेलेस्ली ने भारत में फ्रांसीसी क्रांति के प्रभाव को रोकने के लिए 1799 में समाचारपत्रों का पत्रेक्षण अधिनियम पारित किया। इसके अनुसार, समाचारपत्रों पर यह प्रतिबंध लगा दिया गया कि कोई भी समाचार प्रकाशित करने के पूर्व उसकी समीक्षा सरकारी पदाधिकारियों से करवा लें। (ii) 1823 में अनुज्ञप्ति नियम या लाइसेंसिंग अधिनियम बना। इसके अनुसार, प्रेस स्थापित करने के पहले सरकार की अनुमति लेना आवश्यक था। इसी प्रकार, 1857 के लाइसेंसिंग अधिनियम तथा 1867 के पंजीकरण अधिनियम द्वारा प्रेस और समाचारपत्रों पर अंकुश लगाया गया। प्रेस को प्रतिबंधित करनेवाले अधिनियमों में सबसे कठोर और विवादास्पद 1878 में लिटन द्वारा पारित वर्नाक्यूलर प्रेस ऐक्ट था। इसने समाचारपत्रों पर पूर्ण अंकुश लगा दिया। भारतीयों में इसकी कड़ी प्रतिक्रिया हुई। सरकार ने अन्य अनेक अधिनियम भी पारित किए; जैसे - 1898 का अधिनियम, 1908 का समाचारपत्र अधिनियम, भारतीय समाचारपत्र अधिनियम, 1910 तथा भारतीय समाचारपत्र अधिनियम, 1931. इन सबका उद्देश्य समाचारपत्रों को स्वतंत्रतापूर्वक काम करने से रोकना तथा सरकारी हित के विरुद्ध समाचारों को प्रकाशित होने से रोकना था।

6. भारतीय प्रेस की विशेषताओं को लिखें।

अथवा, बदलते परिप्रेक्ष्य में भारतीय प्रेस की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर - 19वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक समाचारपत्रों, पत्र-पत्रिकाओं एवं पुस्तकों का प्रकाशन सीमित स्तर पर होता था। इसका प्रमुख कारण था कि सामान्य जनता, समृद्ध कुलीन और सामंती वर्ग की रूचि प्रेस में नहीं थी। प्रेस चलाना घाटे का व्यवसाय माना 'जाता था। साथ ही, सरकारी कोपभाजन का भी खतरा था। इसके बावजूद समाचारपत्रों ने सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलनों को समर्थन देकर तथा शासकीय प्रजातीय विभेद की नीति की आलोचना कर राष्ट्रीय चेतना जगाई। 1857 के विद्रोह के बाद समाचारपत्रों के प्रकाशन में तेजी आई। इस समय से समाचारपत्रों के स्वरूप में भी परिवर्तन आया। समाचारपत्र प्रजातीय आधार पर दो वर्गों- (i) ऐंग्लोइंडियन तथा (ii) भारतीय प्रेस में विभक्त हो गए। ऐंग्लोइंडियन प्रेस ने सरकार समर्थक दृष्टिकोण अपनाया। इस समय अँगरेजी भाषा और अँगरेजों द्वारा संपादित और प्रकाशित समाचारपत्रों में उल्लेखनीय हैं- 'टाइम्स ऑफ इंडिया', 'स्टेट्समैन', 'इंगलिशमैन' इत्यादि। इसके विपरीत भारतीय प्रेस, जो अँगरेजी और देशी भाषाओं में समाचारपत्र प्रकाशित करते थे, ने अँगरेजी सरकारी नीतियों की आलोचना की। इसने राजनीतिक-सामाजिक ज्वलंत प्रश्नों पर भारतीय दृष्टिकोण को रखा। इसने भारतीयों में राष्ट्रीयता एवं एकता की भावना जागृत करने का प्रयास किया। ऐसे समाचारपत्रों में 'सोमप्रकाश, हिंदू पैट्रियट', 'अमृत बाजार पत्रिका' के नाम महत्त्वपूर्ण हैं। इनमें प्रकाशित प्रबुद्ध भारतीयों के लेखों से राष्ट्रीय आंदोलन को गति मिली। इसलिए, भारतीय प्रेस को नियंत्रित करने के लगातार प्रयास किए जाते रहे।

7. तकनीकी विकास का मुद्रण पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर - योहान गुटेन्बर्ग द्वारा 1448 में प्रिंटिंग प्रेस 'मूवेबल टाइप प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार करने के पचात तकनीक की सहायता से प्रिंटिंग प्रेस में लगातार सुधार कर इसे और अधिक उन्नत बनाया गया। जैसे-जैसे छपी हुई सामग्रियों (पुस्तकों, पत्र-पत्रिकाओं) की माँग बढ़ती गई, वैसे-वैसे छापाखाना में निरंतर सुधार किए गए। इसका उद्देश्य कम लागत मूल्य और समय में अधिक-से-अधिक मुद्रित सामग्री का प्रकाशन करना था। 18वीं सदी के अंतिम चरण तक धातु के प्रेस बनने लगे। 19-20वीं सदी में छापाखाना में और अधिक सुधार किया गया। 19वीं शताब्दी के मध्य में न्यूयॉर्क निवासी रिचर्ड एम. हो ने शक्तिचालित 'बेलनाकार प्रेस' का आविष्कार किया। इसके द्वारा प्रति आठ हजार ताव छापे जा सकते थे। इसी सदी के अंत तक 'ऑफसेट प्रेस' का भी इजाद किया गया। इसके द्वारा एक ही साथ छह रंगों में छपाई की जा सकती थी। बीसवी सदी के आरंभ से

बिजली-संचालित प्रेस व्यवहार में आया। इसने छपाई को और अधिक गति प्रदान की। प्रेस में अन्य तकनीकी सुधार भी किए गए। कागज लगाने की विधि में सुधार किया गया तथा प्लेट की गुणवत्ता बढ़ाई गई। स्वचालित पेपर-ल और रंगों के लिए फोटो-विद्युतीय नियंत्रण का व्यवहार किया जाने लगा। वर्तमान समय में प्रेस में और अधिक तकनीकी सुधार किए गए हैं। इससे पुस्तकें कम खर्च और कम समय में तथा नई साज-सज्जा के साथ बाजार में आने लगी है।

8. Press Culture And Nationalism

1. किसके आविष्कार का महत्व भौतिक संसार में आग, पहिया और लिपि की तरह है?

(a) छापाखाना

(b) रेलवे

(c) वायुयान

(d) मुद्रा

Ans – A

2. कागज का आविष्कार किस देश में हुआ?

(a) चीन

(b) जर्मनी

(c) जापान

(d) रोम

Ans – A

3. किस देश में सरकारी नौकरियों की प्रतियोगिता परीक्षाओं में मुद्रित सामग्रियों की माँग बढ़ा दी?

(a) जापान में

(b) चीन में

(c) भारत में

(d) इंगलैंड में

Ans – B

4. विश्व में सर्वप्रथम मुद्रण की शुरुआत कहाँ हुई?

(a) भारत

(b) जापान

(c) चीन

(d) अमेरिका

Ans – C

5. जापान में छपाई की तकनीक किनके द्वारा लाई गई?

(a) मंगोल विजेताओं द्वारा

(b) यूरोपीय व्यापारियों द्वारा

(c) ईसाई धर्म प्रचारकों द्वारा

(d) चीनी बौद्ध भिक्षुओं द्वारा

Ans – D

6. चीनी व्यक्ति पि-शेंग ने मिट्टी की मुद्रा कब बनाई?

(A) 1841

(B) 1041

(C) 1031

(D) 1240

Ans – B

7. वुड ब्लॉक छपाई की तकनीक सबसे पहले कहाँ विकसित की गई?

(a) मिस्र में

(b) भारत में

(c) जापान में

(d) चीन में

Ans – D

8. 13वीं सदी में किसने ब्लाक प्रिंटिंग के नमूने यूरोप में पहुँचाए?

(a) मार्कोपोलो

(b) निकितिन

(c) इत्सिंग

(d) मेगास्थनीज

Ans – A

9. यूरोप में कागज बनाने का पहला कारखाना कहाँ खोला गया?

(a) इंगलैंड में

(b) रूस में

(c) जर्मनी में

(d) इटली में

Ans – C

10. गुटेनवर्ग का जन्म हुआ था—

(a) अमेरिका में

(b) जर्मनी में

(c) जापान में

(d) इंग्लैण्ड में

Ans – B

11. इंगलैंड में मुद्रणकला को पहुँचाने वाला कौन था?

(a) हैमिल्टन

(b) कैक्सटन

(c) एडिसन

(d) स्मिथ

Ans – B

12. गुटेनवर्ग ने सर्वप्रथम किस पुस्तक की छपाई की?

(a) कुरान

(b) गीता

(c) हदीस

(d) बाइबिल

Ans – D

13. बेलनाकार प्रेस का आविष्कार किसने किया?

(a) गुटेनबर्ग ने

(b) ग्रिम बंधुओं ने

(c) रिचर्ड एम० हो ने

(d) कैक्सटन ने

Ans – C

14. छापाखाना का आविष्कार किसने किया?

(a) गुटेनवर्ग ने

(b) कैक्सटन ने

(c) एम० हो ने

(d) इनमें से कोई नहीं

Ans – A

15. किसने कहा, मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है, सबसे बड़ा तोहफा?

(a) महात्मा गाँधी

(b) मार्टिन लूथर

(c) मुहम्मद पैगम्बर

(d) ईशा मसई

Ans – B

16. मार्टिन लूथर कौन थे?

(a) समाज सुधारक

(b) दार्शनिक

(c) राजनीतिज्ञ

(d) धर्म सुधारक

Ans – D

17. एक पैसिया मैगजीन किस देश में प्रकाशित हुई?

(a) फ्रांस में

(b) जर्मनी में

(c) इंगलैंड में

(d) रूस में

Ans – B

18. पंचानवे स्थापनाएँ किसने लिखी?

(a) मार्टिन लूथर ने

(b) ज्विंगली ने

(c) काल्विन ने

(d) इग्नेशियस लॉयोला ने

Ans – A

19. किस शताब्दी के अंत तक प्रेस लगे धातु के बनने थे? धातु के बनने

(a) 16वीं शताब्दी

(b) 17वीं शताब्दी

(c) 18वीं शताब्दी

(d) 19वीं शताब्दी

Ans – C

20. बेलनाकार प्रेस में प्रतिघंटे कितनी ताव छापे जा सकते थे?

(a) 5000

(b) 8000

(c) 7000

(d) 9000

Ans – B

21. बिजली से चलने वाले छापाखाने का प्रारंभ कब से हुआ?

(a) 18वीं सदी के प्रारंभ से

(b) 16वीं सदी के प्रारंभ से

(c) 19वीं सदी के प्रारंभ से

(d) 20वीं सदी के प्रारंभ से

Ans – D

22. भारत में पहला छापाखाना किन लोगों ने लगाया?

(a) पुर्तगालियों ने

(b) डचों ने

(c) फ्रांसीसियों ने

(d) अंग्रेजों ने

Ans – A

23. भारत में पहला छापाखाना कहाँ लगाया गया?

(a) बंबई में

(b) गोवा में

(c) कलकता में

(d) मद्रास में

Ans – B

24. जेम्स ऑगस्टस हिक्की ने किसका प्रकाशन किया?

(a) बंगाल गजट का

(b) इंडिया गजट का

(c) बंबई गजट का

(d) मद्रास गजट का

Ans – A

25. भारतीय समाचार पत्रों के 'मुक्तिदाता' के रूप में कौन गवर्नर-जनरल विख्यात है?

(a) वारेन हेस्टिंग्स

(b) वेलेस्ली

(c) चार्ल्स मेटकॉफ

(d) लिटन

Ans – C

26. भारत में प्रथम समाचार-पत्र निकालने का श्रेय

(a) गंगाधर भट्टाचार्य

(b) चार्ल्स मेटकॉफ

(c) जे० ए० हिक्की

(d) राममोहन राय

Ans – C

27. 'संवाद कौमुदी' का प्रकाशन किसने किया?

(a) राजा राममोहन राय

(b) महात्मा गाँधी

(c) बालगंगाधर तिलक

(d) लोकमान्य तिलक

Ans – A

28. 'भारत मिल' समाचार द्वारा भारत से हो रहे किस चीज के निर्यात का विरोध किया गया?

(a) गेहूँ

(b) चावल

(c) चीनी

(d) दाल

Ans – B

29. भारतीय प्रेस का प्रारंभ विलियम वोल्टास द्वारा कब किया गया?

(a) 1766

(b) 1765

(c) 1760

(d) 1740

Ans – A

30. भारतीयों द्वारा प्रकाशित प्रथम समाचार-पत्र था-

(a) बंगाल गजट

(b) पायोनियर

(c) अमृत बाजार पत्रिका

(d) सुलभ समाचार

Ans – A

31. संवाद कौमुदी का प्रकाशन किस भाषा में हुआ?

(a) हिंदी में

(b) बंगला में

(c) अंगरेजी में

(d) गुजराती में

Ans – B

32. राजा राममोहन राय ने फारसी में किस पत्रिका का संपादन किया?

(a) रास्त गोफ्तार

(b) जामें जमशेद

(c) अखबारे सौदागर

(d) मिरातुल अखबार

Ans – D

33. देशी भाषा में प्रकाशित पहला समाचार पत्र था—

(a) हिन्दू पैट्रियट

(b) स्टेट्स मैन

(c) बंगाल गजट

(d) मद्रास मेल

Ans – A

34. किस विद्रोह के पश्चात् समाचार पत्रों की प्रकृति का विभाजन प्रजातीय आधार पर किया जा सकता है?

(a) 1757 का विद्रोह

(b) 1857 का विद्रोह

(c) जनजातीय विद्रोह

(d) चंपारण विद्रोह

Ans – B

35. कौन सा समाचार पत्र उदार विचारों का पोषक था?

(a) इंग्लिशमैन

(b) मद्रासमेल

(c) स्टेट्समैन

(d) पायनियर

Ans – C

36. 'हिन्दुस्तान रिव्यू' का प्रकाशन किसने आरम्भ किया?

(a) रामकृष्ण वर्मा

(b) श्री कृष्ण सिंह

(c) मजहरुल हक

(d) सच्चिदानंद सिन्हा

Ans – D

37. लाला हरदयाल ने किस समाचार पत्र का प्रकाशन किया?

(a) गदर का

(b) युगांतर का

(c) वंदे मातरम का

(d) हिंदू का

Ans – A

38. 'बांबे क्रॉनिकल' का प्रकाशन किसने किया?

(a) एम०जी० राणाडे ने

(b) बाल गंगाधर तिलक ने

(c) गोपाल कृष्ण गोखले ने

(d) फिरोजशाह मेहता ने

Ans – D

39. श्रीमती ऐनी बेसेंट ने होमरूल के पक्ष में लोकमत का गठन किस पत्रिका द्वारा किया?

(a) यंग इंडिया

(b) न्यू इंडिया

(C) वंदे मातरम

(d) स्वराज्य

Ans – B

40. सोमप्रकाश का प्रकाशन किसने किया?

(a) ईश्वरचन्द्र विद्यासागर

(b) राममोहन राय

(c) सुरेन्द्रनाथ टैगोर

(d) महात्मा गाँधी

Ans – A

41. अमृत बाजार पत्रिका का प्रकाशन किसने आरंभ किया?

(a) बालगंगाधर तिलक

(b) गंगाधर भट्टाचार्य

(c) मोतीलाल घोष

(d) राजा राममोहन राय

Ans – C

42. अलहिलाल के संपादक कौन थे?

(a) मोहम्मद अली

(b) मौलाना अबुल कलाम आजाद

(c) महात्मा गाँधी

(d) सर सैयद अहमद खान

Ans – B

43. महात्मा गाँधी ने किस समाचार पत्र के माध्यम से अपने विचारों का राष्ट्रवादी आंदोलन का प्रचार किया?

(a) न्यू इंडिया

(b) हिन्दुस्तान टाइम्स

(c) यंग इंडिया

(d) वंदेमातरम

Ans – C

44. महात्मा गाँधी ने किस पत्र का संपादन किया?

(a) कामनवील

(b) यंग इंडिया

(c) बंगाली

(d) बिहारी

Ans – B

45. किस पत्र ने रातों-रात वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट से बचने के लिए अपनी भाषा बदल दी?

(a) हरिजन

(b) भारत मित्र

(c) अमृत बाजार पत्रिका

(d) हिन्दुस्तान रिव्यू

Ans – C

46. 'हरिजन' पत्रिका का प्रकाशन किसने आरंभ किया था?

(a) राममोहन राय

(b) फिरोजशाह मेहता

(c) महात्मा गाँधी

(d) जवाहरलाल नेहरू

Ans – C

47. तिलक ने 'केसरी' का प्रकाशन किस भाषा में किया?

(a) हिन्दी में

(b) अंग्रेजी में

(c) मराठी में

(d) कोंकणी में

Ans – C

48. अंग्रेजों द्वारा पक्षपात की नीति की आलोचना किसने की?

(a) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(b) रामधारी सिंह दिनकर

(c) राममोहन राय

(d) केशवचन्द्र सेन

Ans – A

49. कांग्रेस में वैचारिक मतभेद के फलस्वरूप सूरत फूट कब हुआ?

(a) 1906

(b) 1907

(c) 1908

(d) 1909

Ans – B

50. स्वतंत्र भारत में समाचार पत्र अधिनियम किस वर्ष पारित हुआ?

(a) 1950 में

(b) 1951 में

(c) 1952 में

(d) 1953 में

Ans – B

51. न्यूज पेपर एक्ट कब पास किया गया?

(a) 1906

(b) 1905

(c) 1908

(d) 1909

Ans – C

52. वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट किस वर्ष पारित हुआ?

(a) 1878

(b) 1872

(c) 1876

(d) 1875

Ans – A

53. 'वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट' किस गवर्नर जनरल के समय में पारित हुआ?

(a) वारेन हेस्टिंग्स

(b) लार्ड डलहौजी

(c) लार्ड लिटन

(d) लार्ड रिपन

Ans – C

54. आजादी के बाद समाचार पत्र आपत्तिजनक विषय अधिनिमय कब पारित हुआ?

(a) 1951

(b) 1953

(c) 1954

(d) 1956

Ans – A

55. प्रेस लोकतंत्र के किस स्तंभ के रूप में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने हेतु सजग प्रहरी के रूप में खड़ा है?

(a) पहला

(b) दूसरा

(c) तीसरा

(d) चौथा

Ans – D

56. पत्रकारिता साहित्य, मनोरंजन, ज्ञान-विज्ञान प्रशासन, राजनीति आदि को प्रत्यक्ष रूप से कौन प्रभावित कर रहा है?

(a) सिनेमा

(b) नाटक

(c) प्रेस

(d) टेलीविजन

Ans – C